बेसिक शिक्षा की विशेषताएँ → (Characteristics of Basic Education) →

① **उद्योगों द्वारा शिक्षण** → बेसिक शिक्षा की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें सम्पूर्ण शिक्षा किसी उद्योग के द्वारा होती है। बेसिक शिक्षा में उद्योग की शिक्षा न होकर उद्योग के द्वारा शिक्षा होती है। हाथ के काम के माध्यम से शिक्षा दी जाती है, हाथ का काम केवल माध्यम है अतः बेसिक स्कूल को कारखाना नहीं समझना चाहिए। हाथ के काम में तीन मुख्य है- कातना, बुनना, खेलों का काम और मिट्टी का काम।

② **समवाय पद्धति** → शिक्षा देने की एक विधि समवाय पद्धति है। आधुनिक विदेशी शिक्षा पद्धतियों में भी समवाय का आश्रय लिया गया है। यह बात दूसरी है कि किसी पद्धति में सामाजिक वातावरण का सहारा लिया गया है तो किसी में प्राकृतिक का वर्णन किया गया है।

③ **मनोवैज्ञानिक आधार** → बेसिक शिक्षा मनोविज्ञान के सिद्धान्तों पर आधारित है। इसमें बालक को प्रधानता दी जाती है। बालक को इस शिक्षा में प्रतिदिन आत्म प्रकाशन का अवसर दिया जाता है। बालक उद्योगों में अच्छा काम करके दूसरों को प्रभावित कर सकता है। इसमें बालक की शक्तियों का विकास किसी कार्य के द्वारा किया जाता है।

④ **सामाजिक आधार** → बेसिक शिक्षा में बालक के सामाजिक गुणों का भी विकास किया जाता है। शिक्षा में पुस्तकों की अपेक्षा स्वतन्त्र ज्ञान पर बल दिया जाता है। समस्त विषयों की शिक्षा किसी हस्तकला के चारों ओर केन्द्रित रहती है। हस्तकला के माध्यम से बालकों में आज्ञापालन, सहिष्णुता, सहयोग आदि गुणों का विकास किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(5) सांस्कृतिक आधार → बेसिक शिक्षा भारतीय संस्कृति की पृष्ठभूमि में बालक को शिक्षा देती है। विश्व आज अहिंसा की आवश्यकता है। आज ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है जो विज्ञान को सांस्कृतिक क्रियाओं में समन्वित कर सके।

(6) आर्थिक आधार → बेसिक स्कूलों में छात्रों को किसी हस्तकला की शिक्षा दी जाती है। उनके द्वारा बनायी गई वस्तुओं की बिक्री से विद्यालय को कुछ आय हो सकती है। बालक किसी उद्योग को सीखकर अपनी जीवन में सुगमता से जीविकोपार्जन भी कर सकता है।

(7) श्रम का महत्व → ब्रिटिश शिक्षा प्रणाली में बालक श्रम से घृणा करना सीख जाते थे। बेसिक स्कूल में छात्र को स्वयं से काम करना पड़ता है। इसीलिए बालक में श्रम से घृणा का भाव नहीं आता है। बेसिक शिक्षा बालकों में श्रम से प्रेम करने की आदत डाल देती है।

(8) क्रिया प्रधान शिक्षा → बेसिक शिक्षा में कोरी सैद्धान्तिक शिक्षा नहीं है। इसमें ज्ञान अनुभवजन्य माना गया है। अनुभव काम करने से ही होता है। बालक काम करते-करते ज्ञानार्जन करते हैं।

Scanned with CamScanner

Role of Education in the Process of assimilation of Indian traditation and developmengt of new cultural Pattern →

culture → संस्कृति

Pattern → प्रतिमान

संस्कृति क्षेत्र

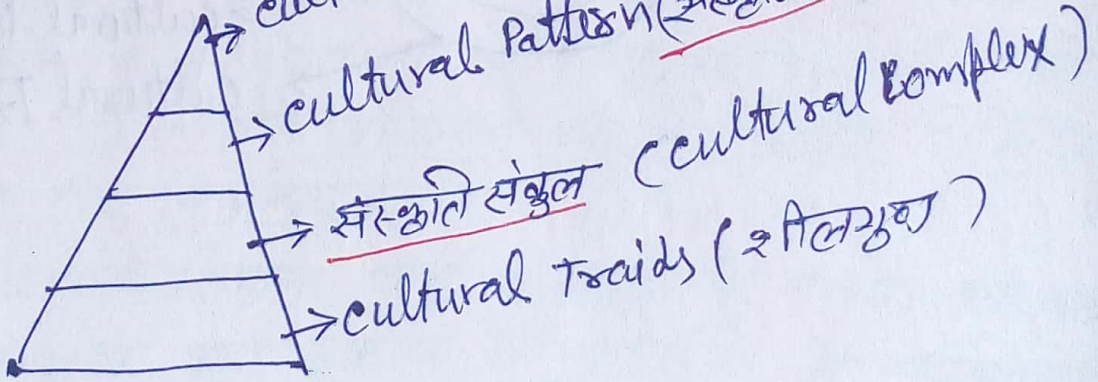

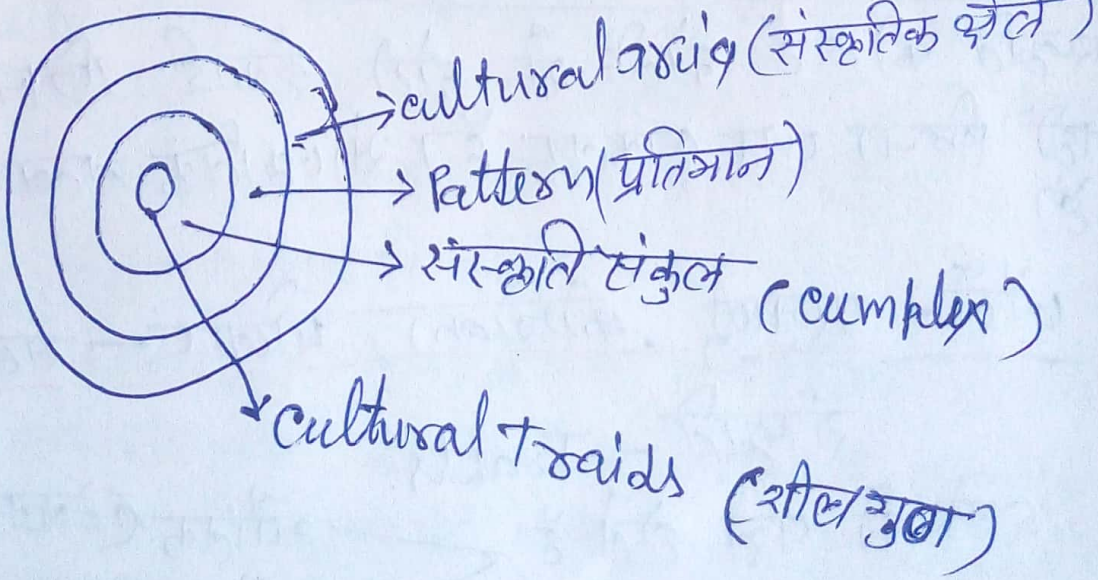

Scanned with CamScanner

Components of Culture →

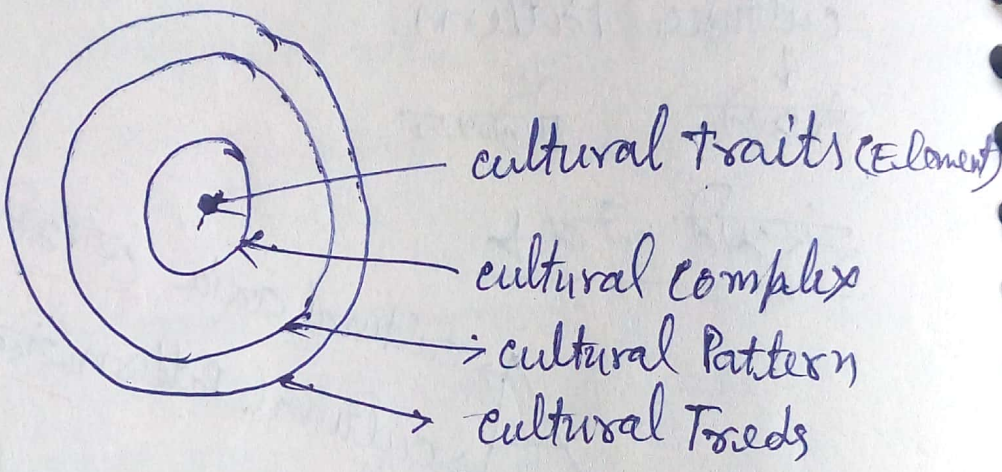

Cultural Traits (सांस्कृतिक तत्व) →

संस्कृति की वह छोटी से छोटी इकाई जिसका और अधिक विभाजन नहीं किया जा सकता है, सांस्कृतिक तत्व कहलाती है।

जैसे - परमाणु, कोशिका, परिवार — संस्कृति

संस्कृति - Traits

इसके दो पक्ष होते हैं —
- भौतिक (टेबल, मेज आदि)
- अभौतिक (शब्द रीतिरिवाज

Cultural complex → (सांस्कृतिक संकुल) →

जब सांस्कृतिक तत्व परस्पर अर्थ पूर्ण ढंग से जुड़ जाते हैं और मानव आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं तो उसे सांस्कृतिक संकुल कहते है।
जैसे - हॉकी का खेल एक सांस्कृतिक संकुल है जो खेल के नियम, खिल को प्रदर्शित करने वाली झण्डियाँ बाल, पोशाक आदि।

Cultural Pattern - (संस्कृति प्रतिमान) →

रूथ बेनेडिक्ट की पुस्तक पैटर्नस ऑफ कल्चर इसमें संस्कृति प्रतिमान की धारणा, को मूलभूत उद्देश्यों को पूरा करती है। संस्कृति प्रतिमान को तीन भागों में बाँटा है। ट्यूबली, डीबू, क्वाकिउट्ल

संस्कृति प्रतिमान एक संस्कृति के तत्वों का वह डिजाईन है जो उस समाज के सदस्यों के व्यक्तिगत व्यवहार प्रतिमान के माध्यम से व्यक्त होता हुआ जीवन के इस तरीके को सम्बद्धता, निरन्तरता एवं विशिष्टता प्रदान करता है। ये प्रतिमान को प्रेरक मानते है और मानव व्यवहार को निर्धारित कर रहे है।

Cultural Area (संस्कृति क्षेत्र) →

संस्कृति तत्व या संस्कृति एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र में फैलकर संस्कृति क्षेत्र का निर्माण करता है हर क्षेत्र जिसमें समान संस्कृतियाँ पाई जाती है सांस्कृतिक क्षेत्र कहलाता है।

Scanned with CamScanner

भारतीय परम्परा (Indian Tradition) →

धर्म, विचार, दर्शन, प्रथाऐं, नियम, रीतिरीवाज ये सभी अभौतिक विरासत है और यही सामाजिक विरासत के अभौतिक पक्ष को परम्परा कहते है। Tradition की उत्पत्ति

इसका अर्थ स्थान्तरण करना इसका संस्कृत शब्द परम्परा है। सविहि से हुई है अर्थात विरासत में मिलना। परम्परा लम्बे समय तक तो संरक्षित रखते है परन्तु यह (रूढ़िवादी नही") होती है। या (इसे परिवर्तन कर सकते है)। सामूहिक अनुभवों के आधार पर इसमें परिवर्तन होता है। रास ने कहा है कि हस्तान्तरण एवं विश्वास करने की विधि का विकास करना।

⇒ परम्पराऐं की विशेषतायें →

1. ये लम्बे समय की देन है
2. ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को स्थान्तरण होता
3. अचेतन रूप से स्वीकार किया जाता है
4. परम्परा में परिवर्तन धीमी गति से होता है
5. परम्पराओं का स्थान्तरण लिखित एवं मौखिक दोनों प्रकार से किया जा सकता है
6. इसमें कठोरता पायी जाती है

Scanned with CamScanner